पत्रिका

Frud-डीएपी की बोरी में बेच रहे थे नकली खाद, नकली डीएपी की 72 बोरियां जब्त

बालाघाट. जिले में नकली खाद की बिक्री हो रही है। शिकायत के आधार पर कृषि विभाग ने वारासिवनी के कोस्ते ग्राम से 72 बोरी डीएपी की जब्त की है। इस मामले में कंपनी, डीलर और दो विक्रेताओं के खिलाफ अपराध दर्ज किया गया है। दोनों विक्रेता बालाजी फास्फेट प्रा. लि. देवास का सिंगल सुपर फास्फेट (जिकबोरान) खाद को प्रधानमंत्री भारतीय जन उर्वरक योजना (डीएपी इफ्को ब्रांड) की बोरी में भरकर उसका अवैध रुप से विक्रय कर रहे थे। इस मामले में विक्रेता मुनेश चौहान कोस्ते, दीक्षांत जैतवार सिद्धि विनायक कृषि केंद्र वारासिवनी, डीलर अजीत रमेश और कंपनी बालाजी फास्फेट प्रायवेट लिमिटेड 24-ए, 23-बी इंडस्ट्रीयल एरिया-1 देवास के खिलाफ प्रतिभा टेंभरे वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी वारासिवनी की शिकायत पर आवश्यक वस्तु अधिनियम सहित विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया है। इधर, गुरुवार की देर शाम अधिकारियों ने वारासिवनी निवासी विक्रेता अजय कटरे के एग्री जोन गोदाम में भी छापामार कार्रवाई की। जहां से प्रधानमंत्री भारतीय उर्वरक परियोजना डीएपी इफ्को ब्रांड की 1000 खाली बोरियों को जब्त किया गया है। जानकारी के अनुसार धनलाल ठाकरे और अन्य ग्रामीणों ने नकली खाद की बिक्री होने की शिकायत की थी। शिकायत के आधार पर कृषि विभाग के अधिकारी ग्राम कोस्ते पहुंचे। जहां विक्रेता मुनेश चौहान के घर पर अधिकारियों ने दबिश दी। इस दौरान 50 किलोग्राम भर्ती की 72 बोरियों में 36 क्विंटल नकली खाद का अवैध भंडारण पाया गया। डीएपी इफ्को ब्रांड की खाली बोरी में पल्टी कर 35 बोरियां लालबर्रा भेजना पाया गया। पूछताछ में विक्रेता मुनेश चौहान ने बताया कि दीक्षांत जैतवार वारासिवनी ने घर में खाद का भंडारण किया था। वहीं अजीत रमेश से डीएपी ब्रांड की प्रिटेंड खाली बोरियां बुलवाई गई थी। वहीं इस मामले में दीक्षांत जैतवार वारासिवनी से खाद के भंडारण के बारे में दस्तावेज मांगे गए। लेकिन उन्होंने कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया। इतना ही नहीं उक्त स्थान पर उर्वरक भंडारण के लिए किसी भी तरह का लायसेंस व देयक प्रस्तुत नहीं किया गया। जिसके बाद अधिकारियों ने मौका स्थल पर ही पंचनामा कार्रवाई की। अवैध रुप से भंडारित नकली खाद को जब्त किया। इस मामले में चार लोगों के खिलाफ वारासिवनी थाने में एफआइआर दर्ज कराई।

Source: https://www.patrika.com/balaghat-news/fake-fertilizers-were-being-sold-in-fdap-bags-18835028